स्वास्थ्य मंत्री ने अल्टीमेटम दिया था। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार की शाम वाराणसी पहुंचे थे। यहां सबसे पहले उन्होंने कानून व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने सड़क और फ्लाईओवर का निर्माण तय समय में गुणवत्ता के साथ पूरा करने का निर्देश दिया। कहा कि किसी भी हाल में 15 जनवरी तक कैंट के सामने बन रहे चौकाघाट-लहरतारा फ्लाईओवर का निर्माण पूराकर आवागमन शुरू कर दें। समीक्षा बैठक के बाद सीएम योगी काशी

कमिश्नर, एनएचएम निदेशक, स्वास्थ्य मंत्री ने अल्टीमेटम दिया था। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार की शाम वाराणसी पहुंचे थे। वहां सबसे पहले उन्होंने कानून व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा की।

विश्वनाथ मंदिर दर्शन करने भी गए। दर्शन करने के बाद कारिडोर का भी निरीक्षण किया। एक रैनबसेरा का भी निरीक्षण करने गए थे।

सर्किट हाउस में समीक्षा के दौरान कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सीएम ने अपराध पर लगाम लगाने की हिदायत दी। साथ ही सीएए के विरोध को पूरी तरह नियंत्रण में रखने पर पुलिस को शाबाशी भी दी। गौआश्रय स्थलों की समीक्षा करते हुए कहा कि निराश्रित पशुओं को किसी भी हाल में खेतों या सड़कों पर घूमन न दें। उन्हें गौ आश्रय स्थलों में पहुंचाएं। यहां ठंड से बचाव व इलाज के लिए विशेष बंदोबस्त करने के लिए निर्देशित किया। पीडब्ल्यूडी को सड़क निर्माण में गुणवत्ता पर ध्यान देने के लिए कहा। खुदाई के कारण सड़कों के क्षतिग्रस्त होने के मुद्दे पर कमिश्नर को विभागीय समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया। जलनिगम गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई के अभियंताओं को कहा कि सीवर से जुड़े सभी कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करें। ताकि सड़क मरम्मत का कार्य समय से पूरा हो।

की नमाज सकुशल सम्पन्न हुई। प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। सभी जिलों में पीस कमेटी की बैठकों में समाज के संभ्रांत व्यक्तियों से बातचीत कर उनका

पूरा सहयोग लिया गया। इसके अलावा मुस्लिम समाज के प्रमुख लोगों के साथ फुट पेट्रोलिंग करके पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। सोशल मीडिया पर भी सतर्क निगाह रखी गई। इसके तहत प्रदेश के 21 जिलों में इंटरनेट सेवाएं बंद कराई गई। डीजीपी ने कहा कि सीएए के विरोध से संबंधित मुकदमों की विवेचना के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सभी एडीजी जोन, आईजी-डीआईजी रेंज व जिलों के पुलिस कप्तानों को पारदर्शी विवेचना के पर्यवेक्षण के लिए उत्तरदायी बनाया गया है। उन्हें कहा गया है कि मुकदमों की निष्पक्ष एवं गुणवत्तापरक विवेचना कराई जाए और किसी भी दशा में निर्दोष व्यक्ति का उत्पीड़न न होने पाए। इसके साथ ही ठोस साक्ष्यों का संकलन कर उपद्रवियों की गिरफ्तारी करने एवं षड्यंत्रकारियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

...ण मुक्त
...तंबा रिवर फ्रंट

निजी कंपनियां करेंगी। इसमें पार्क के आसपास रेस्टोरेंट भी खोलने की सुविधा विकसित की जाएगी। नगर विकास विभाग का मानना है कि इससे नदी का प्रदूषण तो समाप्त होगा ही साथ में वहां लोगों के आने-जाने से जागरूकता भी बढ़ेगी। उत्तर प्रदेश से पहले द्रावती नदी जयपुर में इसी तर्ज पर काम हो चुका है। इसके बेहतर परिणाम देखने को मिले हैं। इसलिए यूपी में यह प्रयोग किया जा रहा है।

नगर विकास प्रमुख सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा, 'हिंडन नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए टाटा को डीपीआर तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके बाद स्विस चैलेंज पद्धति के आधार पर इसका टेंडर निकालते हुए निजी कंपनियों को आमंत्रित किया जाएगा। सबसे बेहतर प्रस्ताव देने वाली कंपनी को इसका काम दिया जाएगा।'

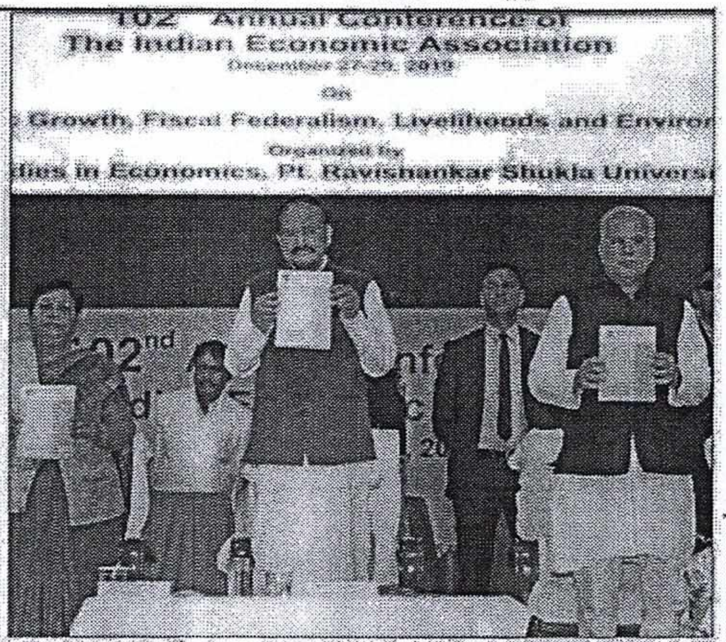

उपराष्ट्रपति, श्री एम. वेंकैया नायडू ने रायपुर में भारतीय आर्थिक संघ के 102वें वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर, भारतीय आर्थिक पत्रिका की एक विशेष मात्रा का विमोचन किया।

फिरोजाबाद में बवाल के दौरान सिपाही अजय की तकदीर बने कदीर

फिरोजाबाद, 28 दिसम्बर (हि.स.)

फिरोजाबाद के हाजी कदीर ने सामाजिक समरसता और सौहार्द की मिसाल पेश की है। हाजी कदीर ही वो शख्स थे, जो बवालियों के बीच फंसे सिपाही की तकदीर बनकर आए। उन्होंने उसकी न केवल जान बचाई, बल्कि घर में पनाह देकर सिपाही को सकुशल घर पहुंचाया। सिपाही के घरवालों ने भी कदीर के इस एहसान

को माना और उन्हें अपने घर बुलाकर मिठाई खिलाई और धन्यवाद दिया। हुआ यूं कि 20 दिसंबर को हुए बवाल के दौरान थाना उत्तर में तैनात एक सिपाही अजय कुमार, नैनी ग्लास के पास उपद्रवियों के बीच फंस गया था। बवालियों ने उसे काफी पीटा।

...ंट बनाने वाली कंपनी बनाएगी काशी

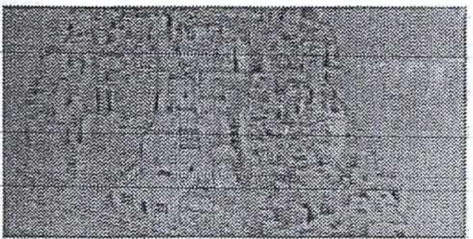

काशी विश्वनाथ कारिडोर का शिलान्यास पीएम मोदी ने इसी साल 8 मार्च को किया था। मां गंगा के पावन तट पर स्थित विश्व की प्राचीनतम नगरी काशी के हृदय में स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर में आने वाले दर्शनार्थियों हेतु सुगम दर्शन की सुविधा के दृष्टिगत श्री काशी विश्वनाथ धाम की विशाल रचना की जा रही है। जो श्री काशी विश्वनाथ मंदिर को गंगा नदी से जोड़ेगा। ऐतिहासिक रूप से इस मंदिर का जीर्णोद्धार इंदौर की महारानी अहिल्याबाई होलकर द्वारा वर्ष 1780 में कराए जाने के लगभग 239 वर्षों के उपरांत मां गंगा के आशीर्वाद से श्री काशी विश्वनाथ मंदिर की महिमा एवं वैभव को और प्रखर करने के लिए वाराणसी के सांसद एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्पित होकर इस नवनिर्माण की आधारशिला रखी है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा भी वर्ष 1916 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में अपने उद्बोधन में काशी में आने वाले दर्शनार्थियों एवं श्रद्धालुओं के मंदिर दर्शन हेतु संकीर्ण गलियों का उल्लेख किया गया था। वर्तमान में लगभग 100 वर्षों के पश्चात मंदिर की महिमा एवं वैभव को और प्रखर करने के लिए संकल्पित होकर यह नवनिर्माण कराया जा रहा है।

परियोजना के अंतर्गत सभी भवनों/दुकानों इत्यादि को सहमति के आधार पर क्रय किया गया है, जिसमें निवासित 500 परिवारों को आपसी सहमति से विस्थापित किया गया है। इन भवनों को क्रय एवं रिक्त कराने के उपरांत प्राप्त सभी मंदिर प्राचीन धरोहर हैं, जो इन भवनों से आच्छादित थे।

उन्हें भवनों को ध्वस्त कर मलवा निस्तारण के उपरांत जनसामान्य को दर्शन पूजन हेतु सुलभ कराया गया है। इन मंदिरों के जीर्णोद्धार एवं सुंदरीकरण का भी कार्य कराया जा रहा है। इन मंदिरों को इस परियोजना का भाग बनाकर इस क्षेत्र को एक अद्भुत संकुल का रूप दिया जाएगा।

परियोजना में मंदिर प्रांगण का विस्तार कर इसमें विशाल द्वार बनाए जाएंगे तथा एक मंदिर चौक का निर्माण किया जाएगा। जिसके दोनों तरफ विभिन्न भवन जैसे कि विश्रामालय, संग्रहालय, वैदिक केंद्र, वाचनालय, दर्शनार्थी सुविधा केंद्र, व्यावसायिक केंद्र, पुलिस एवं प्रशासनिक भवन, वृद्ध एवं दिव्यांग हेतु एस्केलेटर एवं मोक्ष भवन इत्यादि निर्मित किए जाएंगे। परियोजना अंतर्गत 330.00 मीटर लम्बाई एवं 50.00 मीटर चौड़ाई एवं घाट से एलिवेशन 30 मीटर क्षेत्र में निर्माण कराया जाएगा।

विश्वनाथ कॉरिडोर में आने वालों को काशी नगरी के धार्मिक और सांस्कृतिक स्वरूप के दर्शन तो होंगे ही, आनंद कानन और रुद्र वन की परिकल्पना भी साकार होगी। इस लिहाज से कॉरिडोर एरिया में सिर्फ 30 फीसदी क्षेत्र में निर्माण होगा। धार्मिक और पौराणिक स्वरूप को प्रदर्शित करने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा।

STERLING TOOLS LIMITED

CIN No.: L29222DL1979PLC009668
Regd. Office: Unit No. 515, DLF Tower A, Jasola District Centre, New Delhi-110025
Corporate Office: Plot No. 4, DLF Industrial Estate, Faridabad-121003
E-mail: csec@stlfasteners.com, Website: www.stlfasteners.com
Tel: 91 129 2270621-25 / Fax: 91 129 2277359

Notice of Postal Ballot and Remote e-voting Information

Members of the Company are hereby informed that the Company has completed the dispatch of the Postal Ballot Notice on 27th December, 2019 under Section 110 of the Companies Act, 2013, read with Rule 22 of (Management and Administration) Rules 2014 along with the Postal Ballot Form and pre-paid Business Reply Envelop to all the shareholders whose name appear in the register of member / list of beneficial owners as received from NSDL/CDSL as on 20th December, 2019 for seeking the consent of the members by way of a special resolution for the matter as set out in the Postal Ballot Notice dated 17th December 2019. The members are requested to note that the voting process through postal ballot form as well as through remote e-Voting shall commence on 30th December, 2019 at 9.00 a.m. and will remain open upto 28th January, 2020 at 5.00 p.m. The e-voting facility is available to the members to cast their votes at the following link https://www.evoting.nsdl.com.

The last date of receipt of votes casted through Postal Ballot Form and/or remote e-Voting from the members, indicating their assent or dissent to the proposed resolution required to be passed under the provisions of Companies Act, 2013 read with respective rules as amended time to time (as detailed in the said notice) is Tuesday, 28th January, 2020 on or before 5.00 p.m. The members who have not received postal ballot forms may apply to the Company and obtain a duplicate form thereof.

Mr. A K Goyal, Practicing Company Secretaries, has been appointed as a Scrutinizer for conducting the Postal Ballot process in a fair and transparent manner. Members may please return the Postal Ballot Form duly completed in all respects so as to reach the Scrutinizer on or before 28th January, 2020 at 5.00 p.m. Any Postal Ballot Form received after closing hours of 28th January, 2020 at 5.00 p.m., will not be valid and voting whether by post or electronic means shall not be allowed beyond the said date.

The Scrutinizer will submit his report to the Company and the result of the Postal Ballot will be announced at the registered office of the Company on 30th January, 2020. The result of the Postal Ballot will also be posted on the Company's website www.stlfasteners.com.

Any query or grievance in relation to voting by Postal Ballot including voting by electronic means may be addressed to the Company Secretary or can be forwarded at email: csec@stlfasteners.com.

By order of the Board
For Sterling Tools Limited
-Sd-
Vaishali Singh
Company Secretary

Date: 28.12.2019
Place: New Delhi